कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय,
उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), अमेठी

पत्रांक 1601 / कार्म-2 / 89 दिनांक 05/10/2026

सेवा में,

जिला सूचना अधिकारी,
अमेठी।

विषयः–हिन्दुस्तान न्यूज, गौरीगंज अमेठी दिनांक 04.10.2026 में प्रकाशित "4.52 करोड़ खर्च, फिर भी बूंद के लिये तरसे लोग" के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक हिन्दुस्तान न्यूज गौरीगंज अमेठी दिनांक 04.10.2026 को प्रकाशित "**4.52 करोड़ खर्च, फिर भी बूंद के लिये तरसे लोग**" के सम्बन्ध में सादर अवगत कराना है कि उक्त शिकायत विकासखण्ड–शाहगढ़ के अन्तर्गत चन्दौकी ग्रामीण पेयजल योजना से सम्बन्धित है। उक्त ग्रामीण पेयजल योजना में 02 नग ग्राम पंचायत क्रमशः रामशाहपुर एवं चन्दौकी सम्मिलित है। उक्त योजना में उलरा ग्राम पंचायत सम्मलित नहीं है।

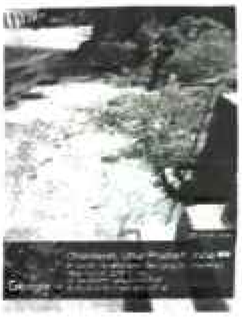

उक्त योजना का कार्य मेसर्स विन्ध्या टेलीलिंक्स प्रा0लि0 द्वारा कराया जा रहा है। योजना में प्रस्तावित 01 नग नलकूप, पम्पहाउस का कार्य पूर्ण है तथा 01 नग शिरोपरि जलाशय(250किली/16मी0 स्टेजिंग) का कार्य पूर्ण हो चुका है एवं योजना में प्रस्तावित 16.50 किमी0 वितरण प्रणाली के सापेक्ष 16.56 किमी0 बिछायी जा चुकी है एवं प्रस्तावित 746 नग गृह संयोजन के सापेक्ष 664 नग गृह संयोजन का कार्य पूर्ण हो चुका है। वर्तमान में उक्त योजना पर सुचारु रुप से नियमित पेयजल आपूर्ति की जा रही है।

सादर सूचनार्थ प्रेषित।

भवदीय

अधिशासी अभियन्ता

पृं0सं0 / / दिनांक

प्रतिलिपिः–निम्नलिखित को सादर सूचनार्थ हेतु प्रेषित।

1. अधीक्षण अभियन्ता महोदय, मण्डल कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), अयोध्या(कैम्प–बाराबंकी) को सादर सूचनार्थ।
2. जिलाधिकारी महोदय, अमेठी को सादर सूचनार्थ।
3. मुख्य विकास अधिकारी महोदया, अमेठी को सादर सूचनार्थ।
4. सम्बन्धित सहायक अभियन्ता/जूनियर इंजीनियर।

अधिशासी अभियन्ता

Gauriganj News: 4.52 करोड़ खर्च, फिर भी सूखे

लेकिन उलरा गांव के ग्रामीणों को अब भी
Gauriganj News: मुंशीगंज। जल जीवन मिशन के तहत पंडौकी गांव में 452.23 लाख रुपये की लागत से पानी की टंकी बनकर तैयार है। इसका उद्देश्य गांव के प्रत्येक घर
नियमित पेयजल की सुविधा नहीं मिल रही है। इससे ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि योजना पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। निर्भर रहना पड़ रहा
तक पाइपलाइन के माध्यम से शुद्ध पेयजल पहुंचाना है। टंकी तैयार होने के बाद भी उलरा में पानी की नियमित आपूर्ति नहीं होने से ग्रामीणों को पुराने जलस्रोतों पर अतिरिक्त समय
है। ग्रामीणों के मुताबिक घर के पास नल से पानी नहीं मिलने के कारण लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है। महिलाओं को घरेलू कामकाज के लिए पानी जुटाने में
लगाना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि जब योजना पर इतनी बड़ी धनराशि खर्च हो रही है तो इसका लाभ भी समय से मिलना चाहिए.

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय,
उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), अमेठी

पत्रांक 1602 / कार्य-2 / 90 दिनांक 05/10/2026

सेवा में,

जिला सूचना अधिकारी,
अमेठी।

विषयः-हिन्दुस्तान अमेठी पेज नं0-7 दिनांक 05.10.2026 में प्रकाशित "टंकी बनी फिर भी पानी को तरसे लोग" के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक हिन्दुस्तान अमेठी पेज नं0-7 दिनांक 05.10.2026 को प्रकाशित **"टंकी बनी फिर भी पानी को तरसे लोग"** के सम्बन्ध में सादर अवगत कराना है कि उक्त शिकायत विकासखण्ड-शाहगढ़ के अन्तर्गत चन्दौकी ग्रामीण पेयजल योजना से सम्बन्धित है। उक्त ग्रामीण पेयजल योजना में 02 नग ग्राम पंचायत क्रमशः रामशाहपुर एवं चन्दौकी सम्मिलित है। उक्त योजना में उलरा ग्राम पंचायत सम्मलित नहीं है।

उक्त योजना का कार्य मेसर्स विन्ध्या टेलीलिंक्स प्रा0लि0 द्वारा कराया जा रहा है। योजना में प्रस्तावित 01 नग नलकूप, पम्पहाउस का कार्य पूर्ण है तथा 01 नग शिरोपरि जलाशय(250किली / 16मी0 स्टेजिंग) का कार्य पूर्ण हो चुका है एवं योजना में प्रस्तावित 16.50 किमी0 वितरण प्रणाली के सापेक्ष 16.56 किमी0 बिछायी जा चुकी है एवं प्रस्तावित 746 नग गृह संयोजन के सापेक्ष 664 नग गृह संयोजन का कार्य पूर्ण हो चुका है। वर्तमान में उक्त योजना पर सुचारु रुप से नियमित पेयजल आपूर्ति की जा रही है।

सादर सूचनार्थ प्रेषित।

भवदीय

अधिशासी अभियन्ता

पृ0सं0 / / दिनांक

प्रतिलिपिः-निम्नलिखित को सादर सूचनार्थ हेतु प्रेषित।

1. अधीक्षण अभियन्ता महोदय, मण्डल कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), अयोध्या(कैम्प-बाराबंकी) को सादर सूचनार्थ।
2. जिलाधिकारी महोदय, अमेठी को सादर सूचनार्थ।
3. मुख्य विकास अधिकारी महोदया, अमेठी को सादर सूचनार्थ।
4. सम्बन्धित सहायक अभियन्ता / जूनियर इंजीनियर।

अधिशासी अभियन्ता

हिन्दुस्तान अमेठी पेज नं– 7 (अयोध्या)

टंकी बनी फिर भी पानी को तरसे लोग

लापरवाही

मुंशीगंज, संवाददाता। जल जीवन मिशन के तहत चंदौकी गांव में 452.23 लाख रुपये की लागत से पानी की टंकी बनकर तैयार है। लेकिन उलरा गांव के ग्रामीणों को अब भी नियमित पेयजल की सुविधा नहीं मिल रही है। इससे ग्रामीणों में नाराजगी है।

ग्रामीणों का कहना है कि योजना पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य गांव के प्रत्येक घर तक पाइपलाइन के माध्यम से शुद्ध पेयजल पहुंचाना है। टंकी तैयार होने के बाद भी उलरा में पानी की नियमित आपूर्ति नहीं होने से ग्रामीणों को पुराने जलस्रोतों पर निर्भर रहना पड़ रहा है।

ग्रामीणों के मुताबिक घर के पास नल से पानी नहीं मिलने के कारण लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है। महिलाओं को घरेलू कामकाज के लिए पानी जुटाने में अतिरिक्त समय लगाना पड़ता है।

ग्रामीणों का कहना है कि जब योजना पर इतनी बड़ी धनराशि खर्च हो रही है तो इसका लाभ भी समय से मिलना चाहिए।

दीनदयाल, चंद्रशेखर पांडे और भुलई तिवारी ने योजना की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए संबंधित विभाग से जांच की मांग की है। ग्रामीणों ने कहा कि पाइपलाइन की स्थिति और जलापूर्ति व्यवस्था की जांच कर कमियों को दूर किया जाए। साथ ही उलरा गांव में जल्द नियमित पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

चंदौकी गांव में बनी पानी की टंकी।

04 लगभग 52 हजार से टंकी बनी तो फिर जलापूर्ति का इंतजार

"वर्तमान में 70 घरों तक पानी पहुंच रहा है। बाकी घरों में पानी पहुंचाने का काम प्रगति पर है। जल्द ही सभी घरों को जलापूर्ति से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

अमित राव, अवर अभियंता जलनिगम